राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
सच ही आधार, निर्भीक खबरों से सरोकार

धड़ल्ले से बिक रहा है नकली सरसों का तेल

कुशीनगर **Arun Mishra** August 24, 2018- 4:04 PM

सेवरही/कुशीनगर। कुशीनगर जिले में धड़ल्ले से जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की नाक तले 'जहर' (नकली सामान) बेचा जा रहा है। सबसे बड़ा खेल नकली खाद्य तेल का चल रहा है। इसमें सरसों तेल व रिफाइंड ऑयल शामिल हैं। धड़ल्ले से कुछ फर्जी ब्रांड तो कई बड़े ब्रांड के नाम पर नकली तेल भर कर बाजार में बेचा जा रहा है।

जिले के आसपास ऐसी कई फैक्टरियां व मिनी प्लान्ट चल रही हैं। ऐसा नहीं है कि इनके बारे में स्वास्थ्य विभाग या जिला प्रशासन को जानकारी न हो, कई शिकायतें आने के बावजूद इन नकली तेल के कारोबारियों पर शिकंजा नहीं कसा जा रहा । दरअसल खाद्य तेल के लिए सरकार से लाइसैंस लेने के साथ-साथ रजिस्ट्रेशन भी जरूरी है। इसके बाद कई तरह के मानक पूरे करने पड़ते हैं।

मगर कुशीनगर जिला के सेवरही कस्बे में हालात ऐसे हैं कि कुछ नामी वह राजनीतिक शह पर दिलाने वाले फैक्टरियां बिना लाइसैंस, बिना रजिस्ट्रेशन, बिना जी.एस.टी., बिना रजिस्टर्ड ब्रांड और बिना मानक पूरे किए चल रही हैं। त्यौहारी सीजन में शहर में जहर का खेल इतना बड़ा हो जाता है कि सरेआम आम जनता की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। रोजाना हजारों जानों को मौत के मुंह में धकेला जा रहा है। हर साल शहर में स्वास्थ्य विभाग छापामारी के नाम पर खानापूर्ति जरूर करता है। सैंपल भरे जाते हैं और बाद में फिर सैटलमैंट के खेल से सब कुछ साफ कर दिया जाता है।

प्रसिद्ध हार्ट स्पैशलिस्ट डा. का कहना है कि नकली तेल शरीर के लिए बेहद घातक हो सकता है। इसके सेवन से कैंसर समेत कई घातक बीमारियां आम जन को चपेट में ले सकती
हैं।
बताया जाता है कि शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से समय-समय पर छापामारी तो की जाती है, मगर सत्ता का दबाव उन पर भी हावी हो जाता है। पिछले सप्ताह भी सिविल सर्जन को शिकायत के बाद टीम ने 'अ' अक्षर की एक फैक्टरी पर छापामारी तक नहीं की, मगर एक नेता का फोन आने के बाद टीम को खाली हाथ वापस लौटना पड़ा। हालांकि इसी फैक्टरी के कुछ महीने पहले सैंपल तक नहीं भरे जाते हैं
सिविल सर्जन को कार्रवाई कर रिपोर्ट करने को कहा : एक जिले के अधिकारी नाम न छापने की सर्त पे उनका कहना है कि ऐसी कई शिकायतें उनके पास पहुंची हैं और हैल्थ टीम को कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। वह कहते हैं कि सिविल सर्जन को ऐसी चल रही हर नकली फैक्टरी पर कार्रवाई कर रिपोर्ट करने को कहा गया है।

सेवरही, तमकुही, फाजीलनगर, कसया, दुहही, हाटा, कप्तानगंज, व जिले के सहर पडरौना में भी नकली फैक्टरियां चल रही हैं, मगर धड़ल्ले से चलने वाली इन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। रोजाना हजारों लीटर नकली तेल यहां बनाकर बाजार में बेचा जा रहा है। कुछ महीने पहले भी सेवरही के गलला मंडी के पास ऐसी ही चल रही एक फैक्टरी पर स्वास्थ्य विभाग ने छापामारी कर 6 सैंपल भरे थे लेकिन राजनीतिक शह होने के कारण इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई क्यों कि यह फैक्ट्री संचालक कई धार्मिक संस्थाओं वह राजनीतिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं जिन्हें मोटा चंदा चाहिए होता है इनके पास वोट बैंक भी होता है चुनाव में राजनीतिक पार्टियों को मोटा चंदा भी देते हैं।

Source: https://tarunmitra.in/archives/97317